जब चीनी विद्यार्थियों ने गाया 'आखें खुली हो या बंद...'
हिंदी विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस की संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम
गीत, संगीत, नृत्य प्रस्तुतियों ने बांधा समां

वर्धा दि. 18 अगस्त 2015: स्वतंत्रता दिवस की शाम महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में खास रही। भारतीय देशभक्ति के गीत, संगीत और नृत्य के अलावा इस शाम को चीनी और श्रीलंका के विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने इसे और खास बना ड़ाला। चीन से हिंदी सीखने आए पंधरा छात्र-छात्राओं ने हिंदी सिनेमा का मशहूर गाना 'आखें खुली हो या हो बंद, दीदार कैसे होता है, कैसे कहूं वो मै यारा ये प्यार कैसे होता है..' को गाकर इस शाम को और खुशनुमा बना दिया। मौका था स्वतंत्रता दिवस पर फेकल्टी एण्ड ऑफीसर्स क्लब द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का।

नागार्जुन सराय के लॉन में सजी इस सांस्कृतिक संध्या की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। समारोह में कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, वरिष्ठ अध्यापक प्रो. मनोज कुमार, प्रो. सुरेश शर्मा, प्रो. अनिल कुमार राय, आवासीय लेखक अरूणेश नीरन आदि ने आजादी की 69वीं वर्षगांठ पर अपने विचार रखे। प्रारंभ में कुलपति द्वारा चीन तथा श्रीलंका के छात्रों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य आशना अनवर सिद्दीकी, आद्या एवं आर्यन, सारिल सपकाले, अनामिका और प्रेरणा ज्योति इन कलाकारों ने गीत और नृत्य प्रस्तुत किये वहीं श्रीलंका से पी. एच-डी. करने आए संगीत रत्नायक ने गीटार पर हिंदी फिल्म का एवं सिंहली भाषा का गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन फेकल्टी एण्ड ऑफीसर्स क्लब की सचिव सुप्रिया पाठक ने किया। इस अवसर पर अध्यापक, अधिकारी एवं फेकल्टी एण्ड ऑफीसर्स क्लब के सदस्य उपस्थित थे।